यह सलाह दी कि यदि यूरिया की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति के लिए 4.5.96 से पूर्व जहाज नहीं भेजे जाते, तो यह सारा मामला केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया जाये।

एन.एफ.एल. के तत्कालीन प्रबंध निदेशक मई, 1996 के पहले सप्ताह तक यही आश्वासन देते रहे कि इस माल की सुपुर्दगी कर दी जायेगी।

वास्तव में, विक्रेता से प्राप्त आश्वासनों एवं संदेशों के आधार पर, उन्होंने 29.4.96 को ग्रह सूचित किया कि तीन जहाज-जिनमें मे कि प्रत्येक जहाज में 25,000 टन यूरियां लदा हुआ है-मई, 1996 में यहां पहुंच जायेंगे। तथापि, मई के महीने में ऐसा कोई जहाज नहीं आया। इससे उक्त पार्टी नियत में बेईमानी के बारे में कोई संदेह नहीं रहा। 15.5.96 को इस मामले से संबंधित एक और महत्वपूर्ण बात सामने यह आइ कि लायड्स बीमा पोलिसी केवल एक समुद्री जहाजी बीमा है तथा इसमें विक्रेता द्वारा करार के निष्पादित न किये जाने का जोखिम शामिल नहीं है। इससे इस सौदे की जालसाजी की नियत साबित हो गई। 19.5.96 को एन.एफ.एल. के कार्यकारी निदेशक (सर्तकता) द्वारा केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पास तुर्की के दो नागरिकों **टनके अलंकुस** एवं **निहान करंची** जो कि मैसर्ज करसन लिमिटेड के क्रमशः मुख्य कार्यकारी एवं उपाध्यक्ष हैं-एवं उनके भारतीय एर्जेटों श्री एम. संभाशिव शिव राव, श्री डी.एस. कंवर, भूतपूर्व कार्यकारी निदेशक (विपणन), एन.एफ.एल. के विरूद्ध एक आपराधिक शिकायत दर्ज करवाई गई।

मंत्रिमंडलीय सचिव और मुख्य सतर्कता आयुक्त से परामर्श के बाद 24.5.96 को तत्कालीन प्रधान मंत्री जिनके पास उर्वरक विभाग का कार्यभार भी था, की स्वीकृति से यह निर्णय लिया गया था कि श्री सी.के. रामाकृष्णन को निलंबित कर दिया जाए और एन.एफ.एल. के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक श्री ए.वी. सिंह को सौंप दिया जाए।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने 27.5.96 को श्री सी.के. रामाकृष्णन् के विरूद्ध एक नियमित मामला दर्ज करने के लिए सहमति मांगी क्योंकि वे एक बोर्ड स्तर के अधिकारी थे। आवश्यक सहमति 28.5.96 को प्रदान की गई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने भूतपूर्व कार्यकारी निदेशक (विपणन) श्री सी.के. रामाकृष्णन् और श्री डी.एस. कंवर को 1.6.96 को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद श्री एम. साम्भाशिव राव को गिरफ्तार किया गया था।

अग्रिम अदायगी की राशि की वसूली के लिए एन.एफ.एल. मैसर्स कारसन लिमिटेड के विरूद्ध अन्तर्राष्ट्रीय चैम्बर ऑफ कामर्स में मध्यस्थ निर्णय का मामला दायर कर रही है। उन्होंने केन्द्रीय जांच ब्यूरो के माध्यम से इन्टरपोल को भी सावधान कर दिया है कि वे मैसर्स कारसन लिमिटेड के उपर्युक्त संचालकों पर निगाह रखें।

महोदय, यही रिपोर्ट मुझे मिली थी।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : महोदय, अब छः बजे हैं। समय बढ़ाना है।

अध्यक्ष महोदय : आप बिल्कुल सही हैं। चूंकि छः बजे हैं, इसलिए सदन की स्वीकृति से हम विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा जारी रखेंगे जब तक कि चर्चा समाप्त नहीं होती।

अनेक माननीय सदस्य : जी, हां।

श्री एच.डी. देवेगौड़ा : केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा अभी भी जांच की जा रही है और जांच पूरी हो जाने के पश्चात मैं सारी आवश्यक सामग्री सदन के समक्ष प्रस्तुत करने जा रहा हूं। जैसा कि जांच अभी चल रही है इसलिए मैं इसके अतिरिक्त और सूचना सदन को नहीं दे सकता हूं। श्री जार्ज फर्नान्डीज ने जो प्रश्न उठाये हैं, उनके संबंध में मेरे पास जवाब तैयार है। तथ्यों को छिपाने की कोई आवश्यकता नहीं है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो के निदेशक ने पूरा कार्यभार संभाला हुआ है जो कि पूरे जांच कार्य की निगरानी कर रहे हैं। अनेक लोगों को बुलाया गया है और जांच चल रही है। इसलिए, इस स्तर पर मैं कोई और सूचना नहीं दे सकता जब तक कि जांच पूरी नहीं हो जाती।

कल, कश्मीर के डोडा जिले में हुई हत्याओं के बारे में उल्लेख किया गया था। यह सभी जानते हैं, सभी वरिष्ठ नेता भी जानते हैं। वास्तव में, भा.ज.पा. के घोषणा-पत्र में भी यह कहा गया है कि इसे अशान्त क्षेत्र घोषित कर देना चाहिए।

मैं अब कोई कड़ा कदम नहीं उठाना चाहता क्योंकि हम निकट भविष्य में चुनाव करवाने जा रहे हैं। इसे विपदा ग्रस्त क्षेत्र घोषित करने जैसा कड़ा कदम उठाने की आवश्यकता नहीं है। मैं इस सभा को आश्वस्त करना चाहूंगा कि जितनी जल्दी हो सके वहां विधान सभा के चुनाव करवाए जायेंगे और फिर निर्वाचित सरकार इस क्षेत्र को ध्यान रखेगी।

जहां तक ऐसे जघन्य अपराधों को रोकने का संबंध है भारत सरकार इन अपराधों को कड़ाई से रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

मैं आपका अधिक समय नहीं लेना चाहता। इन शब्दों के साथ मैं बहुत विनम्रता से इस सभा के सभी सदस्यों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट देकर हमें अपना समर्थन दें।

धन्यवाद, महोदय।

अध्यक्ष महोदय : अब मैं श्री एच.डी. देवेगौड़ा द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव सभा में मतदान के लिए प्रस्तुत करूंगा।

प्रश्न यह है :

> "कि यह सभा मंत्रि परिषद में अपना विश्वास व्यक्त करती है।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

[अनुवाद]

अपराह्न 6.07 बजे

विदाई उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : मैं इस जीवन्त सत्र के लिए सदन के नेता, विपक्ष के नेता, सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं और माननीय सदस्यों का उनके सहयोग के लिए, जो कभी-कभी बड़ी अनिच्छा से मिला है, धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं इसके लिए आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं ताकि संसद की कार्यवाही में यह शामिल किया जा सके।

लोक सभा की तरफ से मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय, दूरदर्शन और आकाशवाणी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने सदन की समूची कार्यवाही का आंखों देखा हाल लाखों लोगों तक पहुंचाया है। आप लोगों की तरफ से मैं उन सबका धन्यवाद करता हूं।

प्रधान मंत्री (श्री एच.डी. देवेगौड़ा) : इससे पहले कि माननीय अध्यक्ष जी सदन को स्थगित करें मैं समूचे सदन का धन्यवाद करता हूं जिसने सर्वसम्मति से इस विश्वास प्रस्ताव को पारित किया है।... **(व्यवधान)**

महोदय, हमारे वरिष्ठ नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि मत विभाजन की कोई आवश्यकता नहीं है और हम मत विभाजन नहीं चाहते हैं। इसलिए मैं समझता हूं कि यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ है। मैं एक अथवा दो घोषणाएं करना चाहता हूं।

जहां तक विकास संबंधी कार्यों का संबंध है इसके साथ राजनीति को मिलाने का कोई प्रश्न नहीं है।

मैं सभा को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं इस सदन के किसी भी सदस्य के लिए रात को 9.00 या 9.30 से पहले और सुबह 8.00 बजे उपलब्ध होऊंगा। मैं जब भी मुख्यालय में होऊंगा सदस्य मुझसे बिना झिझक के मिल सकते हैं मैं इस बात को बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहूंगा।

जहां तक विकास संबंधी कार्यों का संबंध है इसके साथ राजनीति को मिलाने का कोई प्रश्न नहीं है। मैं इस बात को स्पष्ट कर देना चाहता हूं।

जहां तक अन्य मामलों का संबंध है मैं प्रतिदिन प्रातः 9 से 10 बजे तक जनता दर्शन करूंगा। विशेष सुरक्षा कर्मचारी इस बात की अनुमति दें अथवा नहीं, मुझे इस बात की चिन्ता नहीं है। मैं एक आम मध्यमवर्गीय परिवार से आता हूं। मैं जनता के लाभ के लिए प्रतिदिन जनता दर्शन करूंगा...**(व्यवधान)**

मैं इन बातों का उल्लेख केवल इसलिए कर रहा हूं ताकि जो कोई भी मुझसे मिलना चाहे, वह मुझसे मिल सके। मैं सभी संसद सदस्यों के लिए, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, 9 से 10 बजे के बीच उपलब्ध होऊंगा। मैं यह आश्वासन देता हूं।

मैं विकास संबंधी कार्यों को राजनीति नहीं मिला रहा हूं।

मैं एक बार फिर माननीय सदस्यों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमें अपना सहयोग दिया है।

[अनुवाद]

अपराह्न 6.10 बजे

राष्ट्रीय गीत

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यगण, एक महत्वपूर्ण कार्य अभी और है। अब माननीय सदस्य **बन्दे मातरम्** के लिए खड़े होंगे।

राष्ट्रीय गीत की धुन बजाई गई।

अध्यक्ष महोदय : लोक सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित होती है।

अपराह्न 6.11 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुई।